

- एक विशेष अभिक्रिया के लिए विशेष एन्जाइम काम में आता है अतः ये अति विशिष्ट होते हैं।
- एन्जाइम का एक अणु एक मिनट में क्रियाकारक के दस लाख अणुओं को क्रियाफल में बदल देता है अर्थात् ये सर्वोत्तम दक्ष होते हैं।
- एन्जाइम 25 से 37 डिग्री सेंटीग्रेट ताप पर अधिक प्रभावशाली होती है इस ताप को इष्टतम ताप कहते हैं।
- एन्जाइम 4 से 7 pH पर सबसे अधिक क्रियाशील होते हैं इसे इष्टतम pH कहते हैं।
- वे पदार्थ जो एन्जाइम की क्रियाशीलता को बढ़ा देते हैं उन्हें सक्रिय कारक या सह एन्जाइम कहते हैं।

परिक्षेपित प्रावस्था और परिक्षेपण माध्यम के भौतिक अवस्था के आधार पर

परिक्षिप्त प्रावस्था	परिक्षेपण माध्यम	प्रकार	उदाहरण
द्रव	गैस	ऐरोसोल	कोहरा, बादल, कुहासा
ठोस	गैस	ऐरोसोल	धुआँ, स्वचालित वाहन का निधार (exhaust)
गैस	द्रव	फ़ोम	शेविंग क्रीम
द्रव	द्रव	इमल्शन	दूध, फ़्रेस क्रीम
ठोस	द्रव	सोल	मैगनेशिया-मिल्क, कीचड़
गैस	ठोस	फ़ोम	फ़ोम, रबड़, स्पंज, प्यूमिस
द्रव	ठोस	जैल	जेली, पनीर, मक्खन
ठोस	ठोस	ठोस सोल	रंगीन रत्न पत्थर, दूधिया काँच

पायस

स्वर्ण संख्या (Gold Number): गोल्ड नंबर किसी संरक्षी कोलाइड की मिलीग्राम में वह मात्रा है जो 10 ml प्रामाणिक गोल्ड सॉल को 10 % नमक के घोल के 1MI द्वारा स्कंदन होने से रोकती है

सिगमोण्डी (Zsigmondy) ने सन् 1901 में आपेक्षित रक्षण शक्ति ज्ञात करने के लिए एक संख्या निर्धारित की जो स्वर्ण संख्या (Gold Number) कहलाती है। स्वर्ण संख्या को निम्नवत परिभाषित करते हैं:

$$G.N \propto \frac{1}{P.P}$$

सॉल
जिलेटिन
हीमोग्लोबिन
गम अरेबिक
डेक्स्ट्रीन
स्टार्च

स्वर्ण संख्या

कोलॉइडी विलयन का उपयोग

औषधि मे

उद्योग मे

जल को शुद्ध करने मे ✓

कपडा साफ करने मे

धूम्र अवक्षेपक मे

डेल्टा का निर्माण

DP DM
द्रव द्रव

पायस (Emulsion)

“वह कोलॉइडी तंत्र जिसमें परिक्षेपित प्रावस्था तथा परिक्षेपण माध्यम दोनों द्रव होते हैं, पायस कहलाता है।”



पायस के प्रकार:

1. जल में तेल पायस
2. तेल में जल पायस



जलीन, साबुन, जक
संरक्षक, कोल्ड क्रीम

* पायस बनाने की क्रिया को पायसीकरण कहते हैं।

पायस के गुण

रसायनी पायस बनाने के लिए लीसा अणुयुक्त मिश्रण है, जिसे पायसीकरण कहते हैं।

1. विपायासीकरण

पायस के घटक द्रवों को अलग करने की क्रिया विपायसीकरण कहते हैं।

2. तनुकरण

जर्म, जमाकर, विद्युत-अपघटन मिश्रण